>

Title: Need to revive the Eight closed fertilizer factories in the country by investing Rs. 50,000/- crores as recommended by the Board constituted by the Union Government for the purpose.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): माननीय सभापति जी, भारतमाता ग्रामवासिनी है। 76 से 86 प्रतिशत आबादी की जीविका खेती है। देश में 24 लाख हैक्टेयर कृषि भूमि है जो आवासीय और औद्योगिक निकायों की भेंट चढ़ गई है। देश की 120 करोड़ की आबादी जो अगले वर्षों में 130 करोड़ हो जाएगी, उससे आने वाले दिनों में आबादी के भरण-पोषण के लिए तीन गुना उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता पड़ेगी। देश में आज खाद कारखाने केन्द्र सरकार द्वारा बंद कर दिये गये हैं। प्रत्येक खाद कारखाने से कम से कम 11 लाख टन यूरिया प्रतिवर्ष उत्पादित हुआ करता था। लेकिन अब केन्द्र सरकार विदेश से ऊँची कीमत पर खाद की आपूर्ति करने को बाध्य हो रही है। खाद कारखाने को पुनर्जीवित करने के लिए उसके गठित बोर्ड ने 50 हज़ार करोड़ रुपये पूँजी निवेश का प्रस्ताव किया था जिसे वित्त विभाग ने अस्वीकृत कर दिया। सार्वजनिक और निजी संस्थाओं के पूँजी निवेश के आधार पर कारखाने को जीवित करने के लिए केन्द्र सरकार से अभी तक कोई गंभीर प्रयास नहीं हुए। देश के किसानों में कृषि एवं उसके मूल्य को लेकर हताशा और निराशा की स्थिति व्याप्त हो रही है। जिसकी प्रतिक्रिया में लाखों किसान आत्महत्या करने लग गए हैं, जो कि शासन के दामन को दागदार करता है। भारत को एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए और उसे समृद्धि प्रदान करने के लिए, इन खाद कारखानों को पुनर्जीवित करने के लिए 50 हजार करोड़ रुपए का पूंजीनिवेश भारत सरकार अविलम्ब करे। मैं इस ओर भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

सभापति महोदया : *m0 श्री हंसराज गं. अहीर, श्री अर्जुन राम मेघवाल और

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण डॉ. भोला सिंह द्वारा उठाए गए मामले से स्वयं को संबद्ध करते हैं।